[This Question Paper contains 2 printed pages.]
यह प्रश्न पत्र 2 मुद्रित पृष्ठों का है।

Your Roll Number.....
आपका अनुक्रमांक .....

Sr. No. of Question Paper: **15219**

Name of the Course : ITEP

Unique Paper Code : 2312103602

Name of the Paper : History of India-VIII: C. 1857-1950

Semester : VI, 2025-2026

Duration: 3 Hours
समयावधि: 3 घंटे

Maximum Marks: 90
पूर्णांक: 90

Important Instructions/ महत्वपूर्ण निर्देश:

- Write your Roll No. on the top immediately on the receipt of the question paper
  इस प्रश्न पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए
- Answers may be written either in English or Hindi, but the same medium should be followed throughout the paper.
  उत्तर अंग्रेजी या हिंदी में लिखे जा सकते हैं, लेकिन पूरे पेपर में एक ही माध्यम का उपयोग किया जाना चाहिए।

Attempt any Four questions. All questions carry equal marks.
किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Analyze the concept of the 'Drain of Wealth'. How did this theory form the foundation for the early nationalist economic critique of British colonial rule in India?
   'धन-निष्कासन' (Drain of Wealth) की अवधारणा का विश्लेषण कीजिए। इस सिद्धांत ने भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन की प्रारंभिक राष्ट्रवादी आर्थिक आलोचना की नींव किस प्रकार रखी?

2. "The transition from Moderates to Extremists marked a shift from constitutional agitation to mass nationalism." Discuss.
   "मध्यमपंथियों (Moderates) से उग्रपंथियों (Extremists) की ओर संक्रमण भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में संवैधानिक आग्रहों से जन-आधारित राष्ट्रवाद की ओर एक महत्वपूर्ण परिवर्तन का प्रतीक था।" चर्चा कीजिए।

3. Evaluate the socio-political and economic circumstances that culminated in the formation of the Indian National Congress (INC) in 1885. Was it merely a "safety valve" or a genuine platform for Indian political aspirations?
   उन सामाजिक-राजनीतिक और आर्थिक परिस्थितियों का मूल्यांकन करें, जिनके परिणामस्वरूप 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) का गठन हुआ। क्या यह महज़ एक "सेफ़्टी वॉल्व" था, या भारतीय राजनीतिक आकांक्षाओं के लिए एक वास्तविक मंच?

4. With reference to the Champaran, Kheda, and Ahmedabad campaigns, analyse how Gandhi developed and refined his method of non-violent mass mobilisation before launching national-level movements.
चंपारण, खेड़ा और अहमदाबाद अभियानों के संदर्भ में, विश्लेषण कीजिए कि राष्ट्रीय स्तर के आंदोलनों को शुरू करने से पहले गांधीजी ने अहिंसक जन-लामबंदी की अपनी पद्धति को किस प्रकार विकसित और परिष्कृत किया।

Or

Evaluate the impact of the Non-Cooperation Movement on the Indian national struggle.
भारतीय राष्ट्रीय संघर्ष पर असहयोग आंदोलन के प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए।

5. Discuss the contribution of the Hindustan Socialist Republican Association (HSRA) and Bhagat Singh to the freedom struggle.
स्वतंत्रता संग्राम में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) और भगत सिंह के योगदान पर चर्चा करें।

6. Critically analyze the complex political developments, negotiations, and communal dynamics that ultimately made the partition of the Indian subcontinent inevitable in 1947.
उन जटिल राजनीतिक घटनाक्रमों, वार्ताओं और सांप्रदायिक समीकरणों का आलोचनात्मक विश्लेषण करें, जिन्होंने अंततः 1947 में भारतीय उपमहाद्वीप के विभाजन को अपरिहार्य बना दिया।

7. Examine the key debates and compromises that shaped the framing of the Indian Constitution. How did the Constituent Assembly navigate the competing demand of social reform?
भारतीय संविधान के निर्माण को आकार देने वाली प्रमुख बहसों और समझौतों का परीक्षण करें। संविधान सभा ने सामाजिक सुधार की परस्पर विरोधी मांगों को किस प्रकार संभाला?

8. Write short notes on any two of the following:
निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:

a) Ghadar Movement
ग़दर आंदोलन

b) Rowlatt act
रॉलेट एक्ट

c) B.R. Ambedkar and the Dalit Movement
बी.आर. अंबेडकर और दलित आंदोलन

d) Impact of the colonial census on caste identities.
जातिगत पहचानों पर औपनिवेशिक जनगणना का प्रभाव।